अणुव्रत.अहिंसा के वैश्विक मिशन पर

डॉ. सोहनलाल गांधी एवं तेजकरण सुराणा की पोलेंड व मैक्सिको यात्रा

जयपुर, 5 सितम्बर, 2009

अणुव्रत विश्व भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सोहनलाल गांधी एवं कार्याध्यक्ष श्री तेजकरण सुराणा पॉलेण्ड (क्रेकोव) एवं मैक्सिको में आयोजित होने वाले दो महत्त्वपूर्ण सम्मेलनों में भाग लेंगे तथा आचार्य श्री महाप्रज्ञ के दर्शन पर आधारित शांति के अमोघ अस्त्र के रूप में अणुव्रत.अहिंसा पर कार्यशाला का संचालन एवं पत्र वाचन करेंगे। परमापावन पोप के मार्गदर्शन में विश्व.शांति एवं धार्मिक सौहार्द के लिए काम कर रहा 'कम्यूनिटी ऑफ सेंट एगिडिओ' नामक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन द्वितीय विश्व युद्ध के 70 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में क्रेकोव में 5 से 8 सितम्बर, 2009 तक एक विशाल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित डॉ. सोहनलाल गांधी एक सत्र में **"जैना वे टू पीस, हार्मनी एण्ड सोशल एक्सीलेंस"** पर पत्र वाचन करेंगे तथा श्री तेजकरण सुराणा एक अन्य सत्र में अणुव्रत पर एक विशेष चर्चा में भाग लेंगे। क्रेकोव सम्मेलन में 130 देशों के 'धर्म से शांति स्थापना' के कार्य से जुड़े संगठनों के एक हजार प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें यूरोप के कुछ देशों के प्रमुख व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे। अणुव्रत.अहिंसा मिशन की अंतर्राष्ट्रीय प्रभावना की दृष्टि से यह एक महत्त्वपूर्ण फोरम है, जिसका अणुविभा के दोनों प्रतिनिधि पूरा उपयोग करेंगे।

क्रेकोव (पॉलेण्ड) से डॉ. गांधी एवं श्री सुराणा मैक्सिको (अमेरिका) के लिए रवाना होंगे जहां संयुक्त राष्ट्र संघ का लोक.सूचना विभाग मैक्सिको सरकार के सहयोग से 9 सितम्बर से 11 सितम्बर, 2009 तक गैर.सरकारी संगठनों का 62वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय है - **'तत्काल निशस्त्रीकरण'**। शीत.युद्ध समाप्त होने के बाद भी विश्व में आणविक शस्त्रों की जो होड़ लगी है, उससे आणविक युद्ध का खतरा बढ़ गया है। इस सम्मेलन में विश्व के 192 देशों के तीन हजार प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। जैसाकि विदित है, अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा) संयुक्त राष्ट्र संघ की एक मान्यता प्राप्त संस्था है तथा इस सम्मेलन में आमंत्रित है। इस अवसर पर तीन दिनों में 24 कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। आयोजकों के समक्ष निशस्त्रीकरण से जुड़े विषयों पर 300 से अधिक कार्यशालाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। उनमें से केवल 24 कार्यशालाओं का उनके प्रस्तावकों द्वारा प्रस्तुत विषय और उसके सार.संक्षेप के आधार पर कार्यक्रम समिति द्वारा चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. सोहनलाल गांधी द्वारा प्रस्तावित ''**अहिंसा की शक्ति द्वारा ही शस्त्र एवं आतंक समाप्त किये जा सकते हैं**'' विषय की कार्यशाला को आयोजकों द्वारा गुणवत्ता के आधार पर स्वीकार कर लिया गया है जिसमें 'यूनाइटेड सिक्खस्' संस्था के प्रतिनिधि भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यूनाइटेड सिक्खस्.यूएसए के प्रतिनिधियों ने भी कार्यशाला के लिए प्रस्तुत विषय के सारांश में **अणुव्रत बनाम अणुबम** पर प्रसंशात्मक प्रकाश डाला है।

डॉ. सोहनलाल गांधी इस कार्यशाला के नियामक नियुक्त किये गये हैं। जबकि श्री तेजकरण सुराणा तथा अमेरिका के जाने.माने जैन नेता श्री किरीट भाई दफ्तरी कार्यशाला में विशेष वक्ता होंगे। अणुव्रत विश्व भारती ने अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अणुव्रत.अहिंसा वैश्विक मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इससे पूर्व भी अनेक महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। डॉ. गांधी एवं श्री सुराणा 14 सितम्बर को स्वदेश लौटेंगे तथा लाडनूं में आचार्य प्रवर एवं युवाचार्य प्रवर को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

– महेन्द्र जैन
मीडिया प्रभारी, 'अणुविभा'

डॉ. सोहनलाल गाँधी

श्री तेजकरण जैन